

पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
महत्वपूर्ण घटनाक्रम का सारांश - मई, 2020

1. महीने के दौरान लिए गए महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णय और प्रमुख उपलब्धियां: अनुबंध। में दी गई हैं।
2. व्यापक अंतर मंत्रालयी विचार-विमर्श/विलंब आदि के कारण आयोजित महत्वपूर्ण नीतिगत पहलू/ मामले: शून्य
3. सचिवों की समिति के निर्णयों का अनुपालन:

क्रम सं	अनुपालन के लिए लंबित सचिवों की समिति के निर्णयों की संख्या	प्रस्तावित कार्य योजना समय/सीमा	टिप्पणियां
1.	दिनांक 14/08/2014 क्रिल मछली पकड़ने का प्रस्ताव पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, विदेश मंत्रालय के साथ मिलकर क्रिल मछली पकड़ने में विभिन्न देशों के अनुभव का अध्ययन करेगा ताकि भारत उनके अनुभवों से सीख सके। विदेश मंत्रालय, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के सहयोग से उन देशों की जांच और पहचान करेगा जिनके साथ भारत क्रिल मछली पकड़ने के लिए सहयोग कर सकता है। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय क्रिल मछली पकड़ने में भारतीय उद्योग के हितों का पता लगाएगा और विदेशी कंपनियों के साथ सीधे सहयोग करने वाली भारतीय कंपनियों की व्यवहार्यता का भी पता लगाएगा। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय अंतर्राष्ट्रीय कानून के प्रावधानों के के भाग के रूप में मसौदा कानून को अंतिम रूप देने से पहले अन्य सदस्य देशों द्वारा अधिनियमित कानूनों का अध्ययन करेगा।	मंत्रालय ने क्रिल मछली पकड़ने के पहलू की जांच कर ली है। जापान और नॉर्वे ने विशेषज्ञता विकसित की है और इन देशों को क्रिल मछली पकड़ने में सहयोग करने के लिए अस्थायी रूप से चिन्हित किया गया है। उनके अनुभव प्राप्त हुए हैं। क्रिल मछली पकड़ने के लिए भारतीय उद्योग से संपर्क किया गया है ताकि उनके हितों का पता लगाया जा सके। हालाँकि, अभी तक हमें कोई प्रतिक्रिया नहीं प्राप्त हुई है। मसौदा	क्रिल मछली पकड़ने के लिए नॉर्वे के सहयोग के लिए नीति आयोग के माध्यम से प्रस्ताव भेजा गया है।

<p>पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय क्रिल मछली पकड़ने से संबंधित मांग विश्लेषण, वित्तीय व्यवहार्यता, उद्योग के हितों, अन्य देशों के अनुभवों, मछली पकड़ने के लाइसेंस के लिए मापदंड, मौजूदा ज्ञान की कमी आदि का विस्तृत ब्यौरा संबंधित दस्तावेज़ प्रस्तुत करेगा। इसके बाद, भारत वाणिज्यिक क्रिल मछली पकड़ने में संलग्न होगा या नहीं इस पर निर्णय लेने के लिए सचिवों की समिति की पुनः बैठक होगी।</p>	<p>पेपर तैयार किया गया है और कैबिनेट सचिवालय के सुझाव प्राप्त हुए हैं।</p>	
--	--	--

1. मंत्रालय में तीन महीने से अधिक समय से लंबित अभियोजन के लिए स्वीकृति के मामले: शून्य
2. ऐसे मामलों का विवरण जिसमें सरकार की स्थापित नीति के कार्यव्यवहार-नियमों में छूट दी गयी है: शून्य
3. ई- प्रशासन के कार्यान्वयन की स्थिति : कार्यान्वित किया जा रहा है
4. लोक शिकायतों की स्थिति:

महीने के दौरान निबटायी गई लोक शिकायतों का निवारण	महीने के अंत में लंबित लोक शिकायतों की संख्या
4	2

8. शासन और विकास में अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी आधारित उपकरणों और अनुप्रयोगों के उपयोग के लिए मंत्रालय की कदमों विशिष्ट गए उठाए द्वारा विभाग / :सूचना

सैटेलाइट द्वारा समुद्र की सतह का तापमान और क्लोरोफिल जैसे व्युत्पन्न मापदंडों का उपयोग करके संभावित मछली पकड़ने के क्षेत्र की परामर्शिकाएं जारी की जाती

हैं। इसके अलावा, शॉर्ट रेंज और मीडियम रेंज वेदर का पूर्वानुमान लगाने के लिए ग्लोबल सैटेलाइट के डेटा का सतत रूप से उपयोग किया जाता है।

9. (i) मंत्रालय में दायरे के एसीसी के संगठनों उसके और विभाग /आने वाले सभी पदों का ब्योरा **AVMS** पर अद्यतन किया गया है : इस बात की पुष्टि की जाती है कि मंत्रालय आने में दायरे के एसीसी के संगठनों उसके और विभाग / वाले सभी पदों का ब्योरा **AVMS** पर अद्यतन किया गया है और ब्योरा अनुबंध -II में दिया गया है।

(ii) एसीसी के निर्देशों के अनुपालन के बारे में स्थिति : इस बात की भी पुष्टि की जाती है कि एसीसी के निर्देशों का अनुपालन किया जाता है।

(iii) उन मामलों की स्थिति, जहां **PESB** से सिफारिशें प्राप्त हुई हैं, लेकिन प्रस्तावों को अभी तक एसीसी सचिवालय को प्रस्तुत किया जाना है :शून्य

अनुबंध-I

लिए गए महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णय और प्रमुख उपलब्धियां:

1. 1 जून 2020 को जारी भारतमौसम विज्ञान विभाग के दूसरे चरण के मानसून पूर्वानुमान से पता चलता है कि सम्पूर्ण देश के लिए मानसून ऋतु की वर्षा \pm 4% की मॉडल त्रुटि के साथ परिमाणात्मक ढंग से दीर्घावधि औसत (एलपीए) की 102% रहने की संभावना है। क्षेत्रवार मौसमी वर्षा \pm 8% की कुल त्रुटि माडल के साथ, उत्तर-पश्चिम भारत में दीर्घावधि औसत की 107%, मध्य भारत में दीर्घावधि औसत की 103%, दक्षिण प्रायद्वीप में दीर्घावधि औसत की 102% और पूर्वोत्तर भारत में दीर्घावधि औसत की 96% वर्षा रहने की संभावना है। समग्र रूप से पूरे देश में दोनों मॉडल त्रुटि \pm 9% के साथ मासिक वर्षा जुलाई में दीर्घावधि औसत की 103% और अगस्त के दौरान दीर्घावधि औसत की 97% रहने की संभावना है।
2. आईएमडी के पूर्वानुमान के अनुसार, दक्षिण-पश्चिम मानसून की शुरुआत 1 जून, 2020 को केरल में हुई थी।
3. मोबाइल ऐप-उमंग (यूएमएएन) (नए युग के शासन के लिए एकीकृत मोबाइल एप्लिकेशन) को पुनः लॉन्च किया गया जिसमें तत्काल पूर्वानुमान (नाऊकास्ट), शहर के लिए पूर्वानुमान, पर्यटन पूर्वानुमान, वर्षा की सूचना, चेतावनी और चक्रवात को शामिल शामिल किया गया। (ऐप : <https://web.umang.gov.in/web/#/>, Android:

Android [.play.google| Com / store / apps / details](https://play.google.com/store/apps/details) iOS: [https:// apps .apple.com / in / app / umang / id1236448](https://apps.apple.com/in/app/umang/id1236448)) पर उपलब्ध है।

4. **16-21 मई, 2020** के दौरान सुपर चक्रवाती तूफान "**AMPHAN**" बंगाल की खाड़ी के दक्षिण-पूर्व में उत्पन्न हुआ; आईएमडी ने COVID-19 के वर्तमान परिदृश्य में प्रक्षेपण, माडलिंग, पूर्वानुमान और विभिन्न हितधारकों, आपदा प्रबंधकों और सामान्य जनमानस से वार्ता सहित निर्बाध उष्णकटिबंधीय चक्रवातों की पूर्वानुमान सेवाएं प्रदान की।
5. Covid-19, के कारण लॉकडाउन के दौरान आपदा प्रबंधन, कृषि, वायु की गुणवत्ता, और विमानन सेवाएं जैसी अत्यावश्यक सेवाओं सहित मौसम, जलवायु, सागर, भूकम्प विज्ञान प्रक्षेपण और आवश्यक सेवाएं जारी नहीं हैं। **COVID-19** के प्रबंधन के संबंध में एनडीएमए, पीएमओ पीएसए जैसी विभिन्न एजेंसियों को सापेक्ष आर्द्रता और तापमान (अधिकतम और न्यूनतम) डेटा और पूर्वानुमान उपलब्ध कराए जा रहे हैं।
6. **COVID-19** के कारण लॉकडाउन के बारे में सरकार द्वारा जारी सभी निर्देशों/दिशानिर्देशों का सख्ती से पालन किया जा रहा है।

कैबिनेट के समक्ष ऐसा कोई मामला लंबित नहीं था जिसमें कैबिनेट के निर्णय / अनुमोदन की आवश्यकता अपेक्षित हो।

न्यूनतम सरकार, अधिकतम शासन:

- देश में किसान पोर्टल और सरकारी निजी सहभागिता (पीपीपी) मोड के माध्यम से देश में एसएमएस और आईवीआर तकनीक के माध्यम से प्रयोक्ता समुदायों के लिए एग्रोमेट एडवाइजरी का प्रसारण जारी है। वर्तमान समय में, देश में 40.1 मिलियन किसानों को सीधे एसएमएस के माध्यम से परामर्शिकाएं प्राप्त हो रही हैं। 16-22 मई, 2020 से सुपर चक्रवात अम्फान आने की घटना के दौरान आंध्र प्रदेश, उड़ीसा, पश्चिम बंगाल, असम, मेघालय में 2878069 किसानों को एग्रोमेट परामर्शिका भेजी गई है।
- राज्य सरकार के अधिकारियों / आपदा से संबंधित अधिकारियों / केंद्र सरकार के संगठनों / जन सामान्य को मोबाइल के माध्यम से प्रतिकूल मौसम के बारे में एसएमएस से चेतावनियां भेजी रही है।
- राज्य अधिकारियों सहित सभी प्रयोक्ताओं को कई शहरों के लिए ईमेल, इलेक्ट्रॉनिक और प्रिंट मीडिया के माध्यम से कई शहरों के लिए चेतावनी और पूर्वानुमान के साथ दैनिक पूर्वानुमान प्रसारित किये जाते हैं।

□□□□□□□□□□ □□□□□□□□□□ □□□□□□□□ □□□□□□□□

□□□□□□□□□□ □□ □□□□□□	□□ □□ □□□□□□ □□□□□□□□ □□□□	□□□□□□ □□ □□□□□□ □□□□□□□□	□□□□□ □□□□□□□□□□□□
□□□□□□□□□ □□□□□ □□□□□□ (AWS)	* 305 (705-400)		231
□□□□□□□□□ □□□□□□ □□□□□ (ARG)	1356	-	332
GPS □□□□□□ □□□□□□ RS / RW □□□□□□	56	-	20
□□□□□□ □□□□□ □□□□□ (DWR)	** 25	-	22
□□□□□ (□□□□□□ □□□□□□ + □□□□□ □□□□□)	04	-	04
□□□□ □□□□□ (<u>□□□□□□□□□□</u> - <u>□□□□□□□□□□</u> <u>□□□□□□□□□□</u> <u>□□□□</u> □□□□□)	07	-	07
□□□□□□□□□□□□□□	12	-	12
□□□□□ □□□□□□□□□□□□	20	-	17
□□□□□□ □□□□□□□□ □□□□□□□□□□□□ □□□□□□□□ (□□□□□□□□□□□□)	25	-	23
□□□□□ □□□□□□□□□□□ □□□□□□□□□ □□□□□□□□□ (SAFAR)	10 (□□□□□□□) 10 (□□□□□□) 10 (□□□□□□□□□□)	-	09 (□□□□□□□) 10 (□□□□□□□) 10 (□□□□□□□□□□)
□□□□□□□□□□□□ (AWS □□ ARG □□ □□□□□□□□□□ IMD □□ □□□□□□□□□□ □□□□□□□□□□)	---	-	2737
□□□□□□□□	79	-	79
□□□□□□□□ □□□□□□□□	46	---	46

* □□□ 705 □□□ □□ 400 □□□□□□ □□□□

** □□□□ □□□□□□, 2 □□□□□□ □□□□ □□□□□□ इसरो के हैं।

□□□□□ □□□□ □□ □□□□ □□□□□□□□□□/□□□□□□ □□□□
□□□□ □□□□□□□□ □□□□□□□□ □□ □□ □□□□□□□□ □□
□□□□□□

मासिक मौसम सारांश (मई 2020)

क) तापमान परिदृश्य: देश के लिए महीने का औसत तापमान 29.09 डिग्री सेल्सियस था; यह सामान्य से (+ 0.15 डिग्री सेल्सियस से ऊपर) के आसपास था।

मुख्य रूप से माह के दूसरे पखवाड़े के दौरान पश्चिमोत्तर भारत और मध्य भारत के मैदानी भागों और मुख्य रूप से पूर्वी और पश्चिमी भारत के कुछ हिस्सों में मौजूदा तेज और शुष्क उत्तर-पूर्वी हवाओं ने गर्म हवाओं से अधिक गर्म हवाओं की गंभीर स्थिति पैदा कर दी है। महीने के दौरान देश के मैदानों भागों में **26 मई, 2020** को चुरू (पश्चिम राजस्थान) में अधिकतम तापमान **50.0 °C** रिकॉर्ड किया गया था। महीने के दौरान राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (NCR) में भी कई दिनों तक अधिकतम तापमान 45.0 °C से अधिक दर्ज किया गया तथा 26 मई, 2020 को सफदरजंग और पालम में सबसे अधिक अधिकतम तापमान क्रमशः 46.0 °C और 47.6 °C दर्ज किया गया।

बंगाल की खाड़ी में प्रचण्डचक्रवातीतूफान 'अम्फान': प्रचण्ड चक्रवाती तूफान "अम्फान" 18 मई 2020 की दोपहर (1130 बजे) के आसपास आया था और 18 और 19 मई, 2020 को (1130 बजे) लगभग 24 घंटे तक मध्य-पश्चिमी बंगाल की खाड़ी में प्रचण्ड चक्रवाती तूफान की तीव्रता कायम रही। कम दबाव वाले क्षेत्र (LPA) में दक्षिणी पूर्वी बंगाल की खाड़ी और 13 मई की सुबह (0830 बजे) में दक्षिण अंडमान सागर से सटे क्षेत्र में उत्पन्न हुआ था। इसकी वजह से 20 मई को तटीय ओडिशा गांगेय पश्चिम बंगाल और बंगलादेश और असम के आसपास क्षेत्रों में इक्का-दुक्का स्थानों पर भारी वर्षा हुई तथा 21 मई को मेघालय एवं मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम, नागालैंड, मणिपुर और मिजोरम के कुछ स्थानों पर भारी वर्षा और 22 मई को असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम, नागालैंड, मणिपुर और मिजोरम में इक्का-दुक्का स्थानों पर भारी वर्षा हुई। कोलकाता (दमदम) में 1855 बजे 130 किमी प्रतिघंटा और कोलकाता (अलीपुर) में 20 मई को 1752 बजे 122 किमी प्रतिघंटा की दर पर तेज़ हवा दर्ज की गई।

पराद्वीप में भी तूफान की गति 0630 बजे 106 किमी प्रतिघंटा, चन्द्रबली में 0830 बजे 80 किमी प्रतिघंटा और 20 मई को बालासोर में 1330-1430 बजे के दौरान 91 किमी प्रतिघंटा दर्ज की गई थी। 1999 के ओडिशा सुपर साइक्लोन के बाद बंगाल की खाड़ी में यह द्वितीय सुपर साइक्लोन था। तूफान की उत्पत्ति, तीव्रता और भूस्खलन तथा इससे जुड़े प्रतिकूल मौसम की सही मॉनिटरिंग और पूर्वानुमान लगाने के लिए आईएमडी को पूरे विश्व में भूरि-भूरि प्रशंसा मिली जिससे कोविड युग में आपदा को प्रभावी रूप से कम करने में सहायता मिली। आईएमडी ने प्रक्षेपण, मॉडलिंग पूर्वानुमान सहित निर्बाध 35DI उष्णकटिबंधी चक्रवाती पूर्वानुमान सेवाएं प्रदान कीं और वर्तमान कोविड-19 के वर्तमान परिदृश्य में विभिन्न हितधारकों, अपादा प्रबंधकों, मीडिया और सामान्य जनमान से वार्ताएं कीं। भूस्खलन वाले स्थानों की पूर्वानुमान संबंधित त्रुटियां शून्य थीं जो 24 घंटे से 48 घंटे की लीड अवधि के लिए क्रमशः 55 और 11 किमी थीं। यह भी रिपोर्ट मिली थी कि 72 घंटे की लीड अवधि पूर्वानुमान त्रुटि 2015-19 के दौरान क्रमशः 109.3 किमी की तुलना में 39.0 किमी थी। भूस्खलन समय पूर्वानुमान त्रुटि 24, 48 और 72 घंटे के लिए लीड अवधि क्रमशः 0.5, 0 और 2.0 घंटे थी। पश्चिम बंगाल में भू-स्खलन के समय चक्रवात की तीव्रता 155-165 किमी प्रतिघंटा प्रचंड वायु 155 किमी प्रतिघंटा थी इसका पूर्वानुमान 72 घंटे पहले ही किया गया था। इसके अतिरिक्त, भारी वर्षा, हवा को तेज झोंका, और स्टार्म सर्ज जैसे सभी तीन प्रकार के मौसम का सही पूर्वानुमान लगाया गया है। 3 सूचना संदेश सहित कुल 48 राष्ट्रीय बुलेटिन जारी की गई।

(ख) चक्रवात निसर्गः -

31 मई, 2020 की सुबह (0530 बजे) में दक्षिण पूर्वी और पूर्वी मध्य अरेबियन सागर और लक्ष्यद्वीप में कम दबाव वाला क्षेत्र बना। अनुकूल पर्यावरण परिस्थितियों में यह 1 जून, 2020 की सुबह में (0530 बजे) पूर्वी मध्य और दक्षिण पूर्वी अरब सागर के आसपास के क्षेत्र में यह विक्षोभ केन्द्रित रहा। 2 जून की सुबह (930 बजे) इस विक्षोभ ने पूर्वी मध्य अरब सागर में तीव्रता पकड़ी और 2 जून का दोपहर में (1130 बजे) चक्रवाती तूफान 'निसर्ग' में तबदील हो गया। यह तूफान शाम तक (1730 बजे 2 जून) उत्तर की तरफ मुड़ गया। इसके बाद, धीरे-धीरे उत्तर-पूर्व की तरफ बढ़ता गया और 3 जून, 2020 को 1230-1430 बजे के दौरान हवा की गति अधिकतम लगातार 100-110 किमी प्रतिघंटा से 120 किमी प्रतिघंटा तक होते हुए प्रतिकूल चक्रवाती तूफान के रूप में अलीबाग के निकट दक्षिण से महाराष्ट्र तट को पार कर गया। भूस्खलन के बाद यह पूर्वोत्तर की तरफ बढ़ता रहा, उत्तरी-मध्य महाराष्ट्र में शाम को (1730 बजे) कमजोर हो गया और उसी क्षेत्र में 3 जून,

2020को मध्यरात्रि (2330 बजे) उसी क्षेत्र में तीव्र विक्षोभ में परिवर्तित हो गया। इसके बाद पश्चिमी विदर्भ और इसके आस-पास के क्षेत्र में तड़के सुबह में (0530 बजे) यह विक्षोभ कमजोर पड़ गया। 4 जून, 2020 को मध्य प्रदेश के मध्य भाग में शाम को (1730 बजे) निम्न दबाव वाले क्षेत्रों में परिवर्तित हो गया। 5 जून को मध्याह्न में (1430 बजे) दक्षिणी-पूर्वी उत्तर-प्रदेश और बिहार के आसपास के क्षेत्र में कम दबाव के रूप में रहा।

ग) पश्चिमी मध्य अरब सागर में विक्षोभ:- 29 मई, 2020 की शाम में (1430 बजे) दक्षिणी तटवर्ती ओमान और यमन के आसपास क्षेत्र में विक्षोभ बना। यह 30 मई, 2020 को सुबह (830 बजे) तक पश्चिमोत्तर की तरफ मुड़ गया। इसके बाद यह दक्षिण-पश्चिम की तरफ मुड़ गया और 1 जून 2020 को तड़के सबेरे दक्षिण तटवर्ती ओमान और यमन के आसपास के क्षेत्र में कम दबाव वाले क्षेत्र में कमजोर पड़ गया। आईएमडी द्वारा विक्षोभ की उत्पत्ति, तीव्रता, ट्रैक और संबंधित प्रतिकूल मौसम का उचित पूर्वानुमान किया गया था। इस प्रणाली के सहयोग से कुल 11 राष्ट्रीय बुलेटिन और 11 कि जारी आउटलुक मौसम कटिबंधी गउष् विशेषये गये थे।

(घ) दक्षिण-पश्चिमी मानसून की प्रगति: दक्षिण-पश्चिमी मानसून बंगाल की दक्षिणी खाड़ी, निकोबार द्वीप समूह और अंडमान सागर के कुछ भागों में आगे बढ़ा। 17 और 18 मई को दक्षिणी बंगाल की खाड़ी, अरब सागर और 27 मई, 2020 को अंडमान सागर और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के अधिकांश भागों को कवर कर लिया। इसके बाद, मानसून मालद्वीप-कोमोरिन क्षेत्र और दक्षिणी पश्चिमी के कुछ भागों में और दक्षिणी बंगाल की खाड़ी के अधिकांश भागों में और 28 मई, 2020 को अंडमान सागर और अंडमान निकोबार द्वीप समूह के शेष बचे भागों में सक्रिय हो गया। दक्षिण पश्चिम मानसून की शुरुआत 1 जून, 2020 से केरल में हुई।

(ङ) पश्चिमी विक्षोभ और प्रतिकूल मौसम: महीने के दौरान छः पश्चिम विक्षोभों ने पश्चिमोत्तर भारत को प्रभावित किया है। पश्चिमी विक्षोभ के इस आवागमन से हिमालय में काफी व्यापक वर्षा/गरज के साथ छींटाछाटी हुई और माह के दौरान पश्चिमोत्तर भारत के निकटवर्ती मैदानी भागों में और मध्य भारत के पूर्वोत्तर भागों में वर्षा/गरज की अलग-अलग गतिविधियां हुईं। इन क्षेत्रों से तीव्र झोंकेदार हवाएं, धूलभरी आंधी और ओलावृष्टि के साथ गरजना की रिपोर्ट मिली है।

च) गरजना और ओलावृष्टि कार्यकलाप: महीने के दौरान गरजना और ओलावृष्टि कार्यकलाप(31-05-2020 के 0830 बजे तक) निम्नानुसार दर्ज की गई है:

क्रम संख्या	क्षेत्र	टीएस दिन	अधिकतम टीएस गतिविधि की तारीख	ओलावृष्टि की घटनाएँ	गरजना की घटनाएँ
1.	दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत	29	02-05-20	शून्य	01 (26-05-20 को बेंगलुरु शहर)
2.	उत्तर पश्चिमी भारत	28	10-05-20	01 (01-05-20 को सिटी कानपुर) 02 (03-05-20 को पिलानी, देहरादून) 01 (04-05-20 को माउंट आबू) 04 (05-05-20 को कुपवाड़ा, करनाल, खीरी, हमीरपुर) 01 (09-05-20 को कुपवाड़ा) 01 (13-05-20 को भद्रवाह) 01 (19-05-20 को कुकरनाग) 02 (, 29-05-20 को भद्रवाह मुक्तेश्वर) 01 (अजमेर 31-05-20)	02 (10-05-20 को अंबला, सफदरजंग) 02 14-05-20को अंबाला, सफदरजंग 02 31-05-20 कोजोधपुर, जैसलमेर
3.	पूर्वोत्तर भारत	29	13-05-20	शून्य	01 (07-05-20 को अगरतला) 01 (26-05-20 को गुवाहाटी) 01 (27-05-20 को

					अगरतला)
4.	पूर्वी भारत	27	01-05-20	01 (गया 05-05-20 को) 01 (श्रीनिकेतन 14-05-20)	04 (05-05-20 अलीपुर, दमदम, गया, डालटनगंज) 02 (07-05-20 मालदा, श्रीनिकेतन) 02 (10-05-20 को आसनसोल, गया) 01 (14-05-20 को श्रीनिकेतन) 01 (20-05-20 को दमदम) 01 (29-05-20 को भुवनेश्वर) 01 (31-05-20 को अलीपुर) 02 (12-05-20 और 13-05-20 को पोर्ट ब्लेयर)
5.	मध्य भारत	23	16-05-20	शून्य	04 (01-05-20, 10-05-20, 13-05-20, 30-05-20 को नागपुर) 03 (10-05-20, 27 05-20, 28-05-20 को सतना)
6.	पश्चिम भारत	10	14-05-20	मीडिया रिपोर्ट : उस्मानाबाद, नासिक, डिंडोरी 13-05-20 मीडिया रिपोर्ट: औरंगाबाद 14-05-20	शून्य

नोट: उपरोक्त कार्यकलापों का पूर्वानुमान लगाया गया था और इस घटना के घटित के बारे में 4-5 दिन पहले ही चेतावनी जारी की गई थी। इसके अलावा, अब संबंधित RMC / MC द्वारा इन घटनाओं के संबंध में तात्कालिक पूर्वानुमान भी जारी किये गये थे।

ज) वर्षा परिदृश्य:

मई 2020 के लिए पूरे देश में 70.9 मिमी वर्षा दर्ज की गई है, जो 62.0 मिमी की दीर्घावधि औसत (एलपीए) से 14% अधिक है।

- उप हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में दस दिनों तक; केरल और माहे में आठ दिनों तक; तमिलनाडु, पुदुचेरी और कराईकल में छह दिनों तक, गांगेय पश्चिम बंगाल में पाँच दिनों तक; ओडिशा में चार दिनों तक; अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, असम और मेघालय, तटीय कर्नाटक, उत्तर आंतरिक कर्नाटक और अरुणाचल प्रदेश प्रत्येक में तीन दिनों तक; बिहार, तेलंगाना, रायलसीमा, नागालैंड, मणिपुर, मिज़ोरम और त्रिपुरा प्रत्येक में दो दिन में दो दिन तक; हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली, पूर्वी उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, छत्तीसगढ़, पश्चिम मध्य प्रदेश, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, और लक्षदीप महीने के दौरान प्रत्येक में एक दिन अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा दर्ज की गयी थी।
- भारी / बहुत भारी वर्षा चेतावनी कौशल: महीने के दौरान जारी की गई चेतावनी में भारी / बहुत भारी वर्षा (> 64.4 मिमी) की घटनाएँ और चेतावनी कौशल (% में शुद्धता) स्थानिक वितरण का विवरण नीचे दिया गया है:

कितने दिनों के लिए चेतावनी जारी की गई	भारी / बहुत भारी वर्षा की घटनाओं के साथ दिनों की संख्या (> 64.4 मिमी): 98 वर्षा के लिए प्रतिशत सटीकता (%में) > 64.4 मिमी
दिन 1/24 घंटे	89%
दिन 2/48 घंटे	89%
दिन 3/72 घंटे	89%

BIMSTEC गतिविधि के तहत भूटान (नए स्टेशन) में 20 स्थानों के लिए प्रतिदिन मेटियोग्राम और ईपीएसग्राम सृजित किए जाते हैं।

□□□□□□□□□□ □□□□□□□□

□□□□□□□□ **प्रक्षेपण** □□□□□□□□

प्रक्षेपण का □□□□□□ □□□□□□	□□□□□□	□□ □□ कितने प्रारंभ किए गए	□□□□□□ □□ □□□□□□ □□□□□ □□□□□□□□□□□□
□□□□□□□□ □□□□□□	115	115	100
□□□□□□ □□□□□□	40	20 #	18

40 □□□□ □□ 20 VST □□ □□□□□□ □□□□, □□□□ 20 □□□□□□□□-
□□□□□□ □□□□ □□□□ □□ □□□□ □□□□□

भूकंप और सुनामी की निगरानी

भूकंप : भारतीय क्षेत्र में 29 भूकंपों की निगरानी की गई, जिसमें से कोई भी घटना 5.0 की तीव्रता (एम) से अधिक नहीं थी।

सुनामी : सुनामी उत्पन्न करने की क्षमता वाले 2 सिवेड भूकंप (एम > 6)। यह घटना घटित होने के 12 मिनट से भी कम समय में जानकारी दी गई थी।

समुद्र प्रक्षेपण □□□□□□□□

□□□□□□□□□□□□ □□ □□□□□□	□□□□□□	□□ □□ □□□□□□ □□ , 20 20	□□ , 2020 □□ □□□□ □ □□□□□ □□□□□□□□□ □□□□
□□□□□□ □□□□□□□□□ * □□□□□□ □□□□	200	3744	150
□□□□□□ □□□□	16	22	16
टाइड गेज	36	36	29
□□□□□ □□□□□□□□□ (□□□□□) □□□□□	10	12	9
□□□□□□□□ □□□□□□□ □□□□□□□□□ □□□□□□□□□□□ □ (ADCP)	20	20	18
□□□□□□□□ □□□□	7	9	3
□□□□ □□□□□□□ □□□□	16	28	11

* □□□ □□□□□□□□ / □□□□□□□□□□ □□ □□□□ □□□□□□□□
 □□□□ □□ □□□□ □□ इसलिए उनसे □□□□ □□□□ □□□□□□□□
 □□□□ □□□□ □□ □□□□ □□□□

समुद्र विज्ञान सेवाएँ

सं	पूर्वानुमान के प्रकार	महीने के दौरान जारी की गई परामर्शिकाओं की संख्या
1.	इंटीग्रेटेड पोटेंशियल फिशिंग ज़ोन (PFZ) एडवाइज़री (सी सर्फ़ेस टेम्परेचर (SST), क्लोरोफिल, पवन)।	23
2.	टूना मछली पकड़ने की परामर्शिका	23
3.	समुद्री दशा का पूर्वानुमान (OSF) तरंग, पवनधारा, एसएसटी, MLD और D20 पूर्वानुमान	31
4.	तात्कालिक वैश्विक समुद्र विश्लेषण (दैनिक)	30
5.	कोरल विरंजन चेतावनी प्रणाली	10

ध्रुवीय अभियान

ग्रीष्मकालीन अभियान दल अनिवार्य संगरोध अवधि पूर्ण होने पर केप टाउन होते हुए अंटार्कटिका से भारत लौट आए।

अनन्य आर्थिक क्षेत्र (EEZ) का स्थलाकृतिक सर्वेक्षण

कवर किया गया क्षेत्रफल: 24000 वर्ग मीटर।

□□□□□□ □□ □□□□□□□□

पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय ने एक पहल के रूप आईआईटीएम पुणे (एमओईएस), एमओईएस और इसके संस्थानों के सहयोग से "पृथ्वी विज्ञान लोकप्रिय व्याख्यान" वेबिनार श्रृंखला का आयोजन किया गया है। एमओईएस संस्थानों द्वारा मई के महीने में कुल 7 वार्ताएं की गईं।

□□□□□□□□

□□□□	□□□□□□□□			□□□□□□□□		
	□□□□□□□□ , 2020	□□, 2020	□□□□□□□□ □	□□□□□□□□ , 2020	□□, 2020	□□□□□□□□ □
एट्मोस्फेरिक साइंसेज	20	18	48	-	-	-
ओशन साइंस एण्ड टेक्नोलॉजी	6	14	20	-	-	-
पोलर साइंसेज	2	4	6	-	-	-
जिओसाइंसेज एण्ड रिसोर्सेज	-	-	-	-	-	-
कुल	28	36	74	-	-	-

□□□□□□ □□ □□□□□□ □□□□□□□□ □□□□□□□□ □□□□ □□
□□□□□□

जलपोत	□□□□□□ / □□□□□□ □□ □□□□	□□□□□□□□ / □□□□□□□□□□□□ / □□□□□□□□□□□□□□□□□□□ / □□□□□□□□□□□□□□□□	□□□□□□□□ □□ □□□□□□□□
□□□□□□ □□□□□□	20	11	1
□□□□□□ □□□□□□□□	28	3	2
□□□□□□ □□□□□□	12	19 (□□□□□□ □□□□□□ □□□□□□□□)	1
□□□□□□ □□□□□□□□□□□□	23	8	2
□□□□□□ □□□□□□□□	25	6	1
□□□□□□ □□□□□□□□	0	31 (□□□□□□□□ □□□□□□□□)	-

Annex II

No. MoES/20/01/2017-Estt.
Government of India
Ministry of Earth Science

'Prithvi Bhavan', Lodhi Road
New Delhi-110003.

Dated, the 6 May, 2020

CERTIFICATE

(FOR THE MONTH OF APRIL, 2020)

It is certified that the detailed status regarding all the posts pertaining to Ministry of Earth Sciences have been uploaded on AVMS as on last day of the month of April, 2020. A summary of the status is given below:-

- | | |
|---|------|
| (a) Total number of posts required to be entered on AVMS | - 13 |
| (b) Number of posts filled as on date | - 12 |
| (c) Number of posts totally vacant as on date | - 01 |
| (d) Number of posts under additional charge arrangement | - 00 |
| (e) Number of posts that would fall vacant during the next 6 months | - 03 |


(Dr. Vipin Chandra)
Joint Secretary
js@moes.gov.in
